कारोबारी गतिविधियां शुरू हों, तभी उद्योगों को मिलेगी राहत

सप्ताह का साक्षात्कार

41 दिनों के लंबे लाकडाउन के बाद दिल्ली में अनलाक की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले चरण में सोमवार से उद्योग व निर्माण क्षेत्र की गतिविधियों को शुरू करने की अनुमति मिली है। राजधानी में 29 अधिकृत व 22 अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्र हैं। इनमें लगभग दो लाख छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयों में लगभग 15 लाख लोग कार्य करते हैं। फैक्ट्रियां बंद होने के चलते इनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया था। अनलाक में गतिविधियों को शुरू करने को लेकर उद्यमियों की क्या तैयारियां हैं और क्या उम्मीदें है, इसे लेकर **नेमिष हेमंत** ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) दिल्ली के अध्यक्ष **कंवल जीत जावा** से बातचीत की। प्रस्तुत हैं मुख्य अंश...

• अनलाक को किस तरह देखते हैं। इससे उद्यमियों को कितनी राहत मिलेगी?

-अच्छी बात है कि अनलाक की प्रक्रिया शुरू हुई है। औद्योगिक गतिविधियों के शुरू होने से निश्चित ही उद्यमियों व कामगारों के साथ दिल्ली की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी। पर दिल्ली में आधा लाकडाउन अभी लागू ही है। दुकानें, बाजार अभी भी बंद हैं। अब सवाल यह है कि उद्योग को कच्चा माल कहां से मिलेगा। वे अपने उत्पाद कहां बेचेंगे। कारोबार में पूरा एक चक्र होता है। उसके सभी भागीदार होते हैं। उसमें कारोबारी और बाजार महत्वपूर्ण भाग है। जब बाजार, दुकानें और शो रूम नहीं खुलेंगे तो अर्थव्यवस्था का चक्र नहीं घूमेगा। बाजार से पैसा वापस उद्योग को नहीं आएगा। इसको चलाने के लिए जरूरी है कि सभी कारोबारी गतिविधियों को थोड़ी-थोड़ी अनुमति मिले।

• कारोबारी गतिविधियों को भी अनुमति देने के पक्ष में है?

-दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामले कम हो चुके हैं। व्यापारी भी इसकी मांग कर रहे हैं। उनके सामने भी लाकडाउन से आर्थिक संकट गहराया हुआ है। उन्हें खोलने की अनुमति मिले तो दिल्ली की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

• गतिविधियां शुरू करने को लेकर क्या तैयारियां हो रहीं हैं?

-अभी तक सरकार द्वारा कारोबारी गतिविधियों को शुरू करने को लेकर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी नहीं की गई है। ऐसे में चीजें तय नहीं हैं। दूसरे, अभी कई व्यावहारिक दिक्कतें हैं। बड़ी समस्या सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के सुचारू न होने से है। मेट्रो ट्रेन सेवा शुरू नहीं हुई है। पर्याप्त संख्या में बसें नहीं चल रही है। किस तरह कामगार फैक्ट्री तक पहुंचेंगे यह तय नहीं है। इन सवालों के उत्तर बाकी हैं। पिछले वर्ष के अनलाक की प्रक्रिया में भी यह समस्या सामने आई थी। कम से कम एक सप्ताह का समय तो लग ही जाएगा।

• वर्तमान समय में क्या-क्या दिक्कतें हैं?

-सबसे बड़ा सवाल उद्योगों के लिए आक्सीजन का है। जब इसकी कमी से हाहाकार की स्थिति थी, तब यहां की आक्सीजन लोगों की जान बचाने के लिए अस्पतालों को दी गई। लेकिन, अब दिल्ली समेत दूसरे राज्यों में चिकित्सा आक्सीजन की कमी नहीं है। अस्पतालों में भी आक्सीजन प्लांट लग रहे हैं। काफी संख्या में आक्सीजन कंसंट्रेटर आ गए हैं। इसलिए अब उद्योगों को आक्सीजन की आपूर्ति शुरू करनी चाहिए। कई सारे उत्पाद आक्सीजन आधारित हैं।

• कामगारों को कोरोना से बचाव के लिए क्या किया जा रहा है?

-इसका एक मात्र हल टीकाकरण है। मौजूदा कोरोना की लहर हृदय विदारक रही। काफी लोगों ने अपने रिश्तेदारों और करीबियों को खोया है। ऐसा कोई नहीं है जिसके अपने जानने वाले की जान न गई हो। दिल्ली में तो स्थिति भयावह रही, क्योंकि यहां स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चेतावनी के बावजूद कोई तैयारी नहीं थी। एक भी आक्सीजन प्लांट नहीं लगाया गया।